प्रेस के लिए सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति संख्या 40/2025)

तत्काल प्रकाशन हेतु

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली 20 मई 2025

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (भादूविप्रा) ने आज नई दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में **विश्व दूरसंचार एवं सूचना समाज दिवस (डब्ल्यूटीआईएसडी)** मनाया। इस वर्ष का उत्सव वैश्विक रूप से प्रासंगिक थीम - **"सार्वभौमिक और सार्थक कनेक्टिविटी" (यूएमसी)** पर केंद्रित था - जोकि सभी के लिए संचार सेवाओं को समावेशी, न्यायसंगत और टिकाऊ पहुंच सुनिश्चित करने के भादूविप्रा के मिशन के अनुरूप था।

यूएमसी का उद्देश्य केवल लोगों और समाज तक संचार नेटवर्क तक पहुंच प्रदान करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है ताकि इसकी पहुंच सभी को उपलब्ध हो तथा सुलभ, प्रासंगिक और सस्ती हो, जिससे वे डिजिटल अर्थव्यवस्था और समाज में पूरी तरह से भाग ले सकें।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने किया। अपने संबोधन में संचार मंत्री (एम.ओ.सी) ने देश भर में डिजिटल विभाजन को पाटने और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में यूएमसी के विशिष्ट योगदान को रेखांकित किया।

माननीय मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रौद्योगिकी की दुनिया, दूरसंचार की दुनिया के साथ गहराई से जुड़ गई है, जहाँ पर दूरसंचार, देश के डिजिटल परिवर्तन को शक्ति प्रदान करने वाले डिजिटल हाईवे के रूप में कार्य करता है। उन्होंने ये माना कि दूरसंचार क्रांति को आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शक और नाविक के रूप में भादूविप्रा महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है।

अपने संबोधन में, मंत्री महोदय ने **यूएमसी** के छह प्रमुख स्तंभों का उल्लेख किया, जिन्होंने भारत को डिजिटल स्पेस में एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित किया है अर्थात सामर्थ्य, उपलब्धता,

पहुंच, सेवा की गुणवत्ता (क्यूओएस), ऑनलाइन सुरक्षा और प्रौद्योगिकी। उन्होंने आगे कहा कि उपग्रह आधारित दूरसंचार, विशेष रूप से दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में,अपनी पहुंच बनाने के लिए भारत के कनेक्टिविटी इकोसिस्टम के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में उभर रहे हैं । इस प्रकार की प्रगति से उम्मीद है कि यह स्थलीय (टेरेस्टरियल) नेटवर्क की पूरक होगी और सार्वभौमिक कनेक्टिविटी के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करेगी ।

भादूविप्रा अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने दूरसंचार क्षेत्र को आकार देने में, विशेष रूप से **सार्वभौमिक और सार्थक कनेक्टिविटी** के मामले में भादूविप्रा की विशिष्ट भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने भादूविप्रा के पथ-प्रदर्शक हस्तक्षेपों और सुधारों को याद किया, जिन्होंने देश के दूरसंचार परिदृश्य को बदल दिया है जिससे फलस्वरुप कवरेज में वृद्धि हुई है और तेजी से विकास हुआ है । उन्होंने विस्तार से बताया कि भादूविप्रा की पहल किस प्रकार से लगातार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) को बढ़ाने, दूरसंचार सेवा वितरण की दक्षता में सुधार लाने और मजबूत उपभोक्ता संरक्षण तंत्र को सुनिश्चित करने पर कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर दो प्रतिष्ठित वक्ताओं- श्री दीपक मिश्रा, निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों पर भारतीय अनुसंधान परिषद (आईसीआरआईईआर),और सुश्री प्रणिता उपाध्याय, प्रमुख आईटीयू एरिया ऑफिस एंड इनोवेशन सेंटर फॉर साउथ एशिया ने अपने संबोधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में अग्रणी शीर्ष 10 देश, थ्रीटायर चिप्स-इन फ्रेमवर्क, डेटा-संचालित निर्णय लेने के बढ़ते महत्व, तथा नवाचार और उद्यमिता में तेजी लाने में आईटीयू उपकरणों की सामरिक भूमिका को कवर किया। इसके अलावा दक्षिण एशिया नवाचार केंद्रों की उपस्थिति और बढ़ते प्रभाव, जोकि पूरे क्षेत्र में तकनीकी सहयोग, नीति नवाचार और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, को भी कवर किया गया।

इस कार्यक्रम में दूरसंचार के वरिष्ठ अधिकारियों, हितधारकों, आईसीटी और प्रसारण उद्योग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिन्होंने भारत में यूएमसी के विजन को साकार करने के लिए आवश्यक नीतियों, नवाचारों और सहयोगात्मक प्रयासों पर चर्चा की।

अतुल चौधरी

(अतुल कुमार चौधरी)
सचिव, भादूविप्रा